17-11-2018

प्रेस विज्ञप्ति

आज दिनांक 17 नवंबर 2018 को किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के फार्माकोजॉजी विभाग द्वारा अपने विभाग के दो पूर्व विभागाध्यक्षों के सम्मान में "गुजराल–भार्गव स्मृति व्याख्यान" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंस, लखनऊ के निदेशक डॉ0 राकेश कपूर द्वारा गुर्दे तथा मूत्र तंत्र से संबंधित बीमारियों के इलाज में "आधुनिक प्रगति एवं शोध" पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया किस प्रकार से नई औषधियों का विकास हुआ है और इसको उन्होंने मानव विकास के तुलानात्मक बताया।

डॉ0 राकेश कपूर ने बताया कि प्राचीन काल में औषधियां प्रायः वनस्पतियों तथा यदा–कदा जंतुओं के अंगों द्वारा विकसित की जाती थी। परन्तु अब विशेष औषधियों को सृजित किया जा रहा है। उदाहरण स्वरूप कुछ वर्ष पहले "अमाशय के घाव" अथवा पुरूषों में "प्रोस्टेट ग्रंथि का बढ़ना" का इलाज केवल शल्य चिकित्सा द्वारा संभव था। परन्तु अब इन बीमारियों को औषधियों द्वारा नियंत्रित/उपचार किया जा सकता है।

इसी प्रकार कर्क रोग के उपचार हेतु अब ऐसी औषधियां विकसित की जा रही हैं, जो केवल कर्क रोग की कोशिकाओं/तंत्रों को ही समाप्त करती हैं और रोगी की सामान्य कोशिकाओ/तंत्रों पर दुष्प्रभाव नहीं डालती।

इस अवसर पर फार्माकोजॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो0 ए0के0सक्सेना ने बताया कि फार्माकोलॉजी विभाग पहले मेटेरिया मेडिका इकाई की तरह डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन के अंतगर्त आता था। उन्होंने बताया कि 1949 में प्रोफेसर एम0एल0गुजराल द्वारा फार्माकोलॉजी विभाग की स्थापना की गई थी और प्रो0 गुजराल ही इस विभाग के प्रथम विभागाध्यक्ष बने, इसके साथ ही 1962 में प्रो0 के0पी0भार्गव ने इस विभाग को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में प्रमुख भूमिका निभाई।

प्रो0 ए0के0सक्सेना ने आगे बताया कि यह व्याख्यान विभाग द्वारा इनके योगदानों के सम्मान में 2005 से प्रत्येक वर्ष निरंतर आयोजित किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विभाग चिकित्सा क्षेत्र के विभिन्न विद्वानों को आमंत्रित करता है। इस दौरान विभाग द्वारा एम0डी0, एम0बी0बी0एस0 एवं बी0डी0एस0 के फार्माकोलॉजी परीक्षा में शीर्ष अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। विभाग द्वारा क्लीनिकल फार्माकोलॉजी प्रोजेक्ट एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्ण पारदर्शिता बरती गई। इस अवसर पर क्लीनिकल फार्माकोलॉजी प्रोजेक्ट तथा प्रोस्टर प्रेजेंटेशन में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ0 विनीता दास, डीन, फैकेल्टी ऑफ मेडिकल साइंसेस, डॉ0 मधुमति गोयल, डीन, फैकेल्टी ऑफ नर्सिंग, आशुतोष कुमार, विभागाध्यक्ष पैथोलॉजी विभाग तथा अन्य गणमान्य चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।